



Kph



Knnu

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121257901

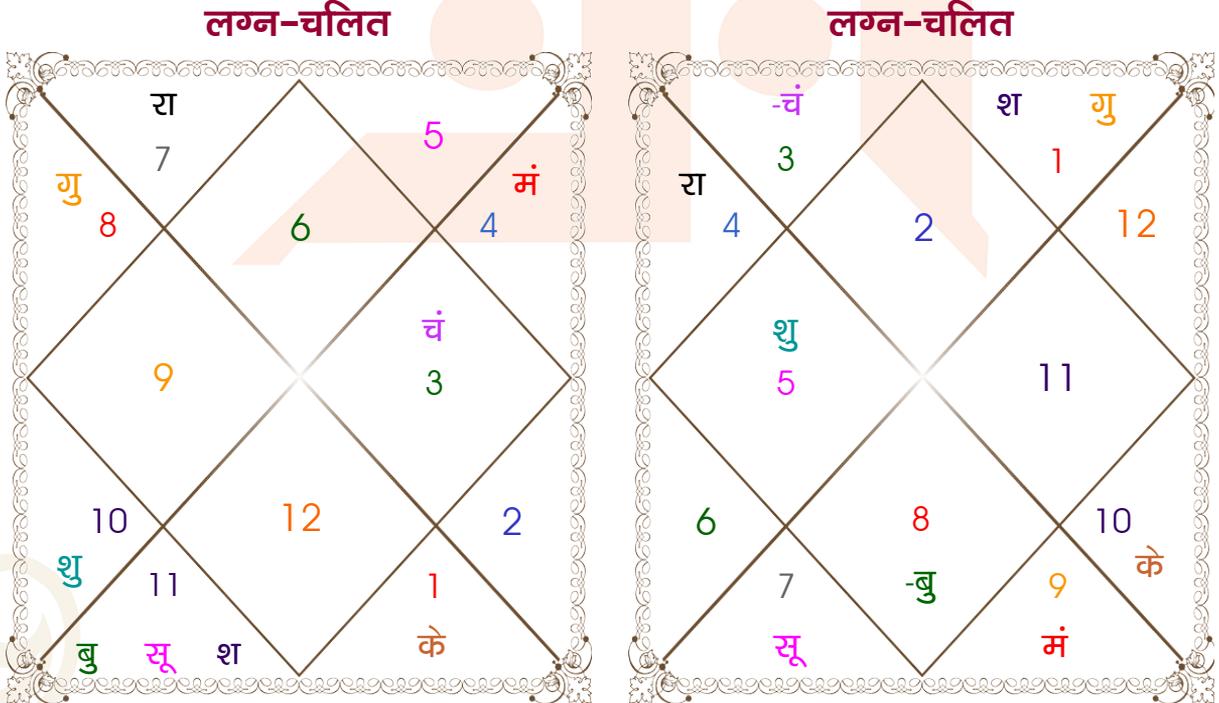
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
11/03/1995 :	जन्म तिथि	: 28/10/1999
शनिवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 20:05:00 :	जन्म समय	: 20:30:00 घंटे
घटी 33:04:54 :	जन्म समय(घटी)	: 34:41:47 घटी
India :	देश	: India
Mumbai :	स्थान	: Channapatna
18:58:00 उत्तर :	अक्षांश	: 12:43:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:04 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:51:02 :	सूर्योदय	: 06:13:36
18:46:56 :	सूर्यास्त	: 17:56:15
23:47:35 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:01
कन्या :	लग्न	: वृष
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
मिथुन :	राशि	: मिथुन
बुध :	राशि-स्वामी	: बुध
पुनर्वसु :	नक्षत्र	: मृगशिरा
गुरु :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
1 :	चरण	: 3
सौभाग्य :	योग	: शिव
गर :	करण	: कौलव
के-केवल :	जन्म नामाक्षर	: का-कमला
मीन :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक
शूद्र :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
मार्जार :	योनि	: सर्प
देव :	गण	: देव
आद्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: मार्जार

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 15वर्ष 0मा 28दि शनि	16:02:04	कन्या	लग्न	वृष	21:32:45	मंगल 1वर्ष 11मा 0दि गुरु
08/04/2010	26:45:44	कुंभ	सूर्य	तुला	10:53:22	28/09/2019
08/04/2029	20:46:07	मिथु	चंद्र	मिथु	03:00:56	28/09/2035
शनि 11/04/2013	20:27:40	कर्क व	मंगल	धनु	14:34:49	गुरु 15/11/2021
बुध 20/12/2015	01:39:10	कुंभ	बुध	वृश्चि	04:36:44	शनि 28/05/2024
केतु 28/01/2017	20:54:53	वृश्चि	गुरु व	मेष	05:25:20	बुध 03/09/2026
शुक्र 30/03/2020	16:26:22	मक	शुक्र	सिंह	24:25:02	केतु 10/08/2027
सूर्य 12/03/2021	21:53:56	कुंभ	शनि व	मेष	20:34:04	शुक्र 10/04/2030
चन्द्र 11/10/2022	12:54:53	तुला व	राहु व	कर्क	14:46:32	सूर्य 27/01/2031
मंगल 20/11/2023	12:54:53	मेष व	केतु व	मक	14:46:32	चन्द्र 28/05/2032
राहु 26/09/2026	05:28:25	मक	हर्ष	मक	19:01:28	मंगल 04/05/2033
गुरु 08/04/2029	01:09:16	मक	नेप	मक	07:47:47	राहु 28/09/2035
	06:47:45	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	15:10:40	

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

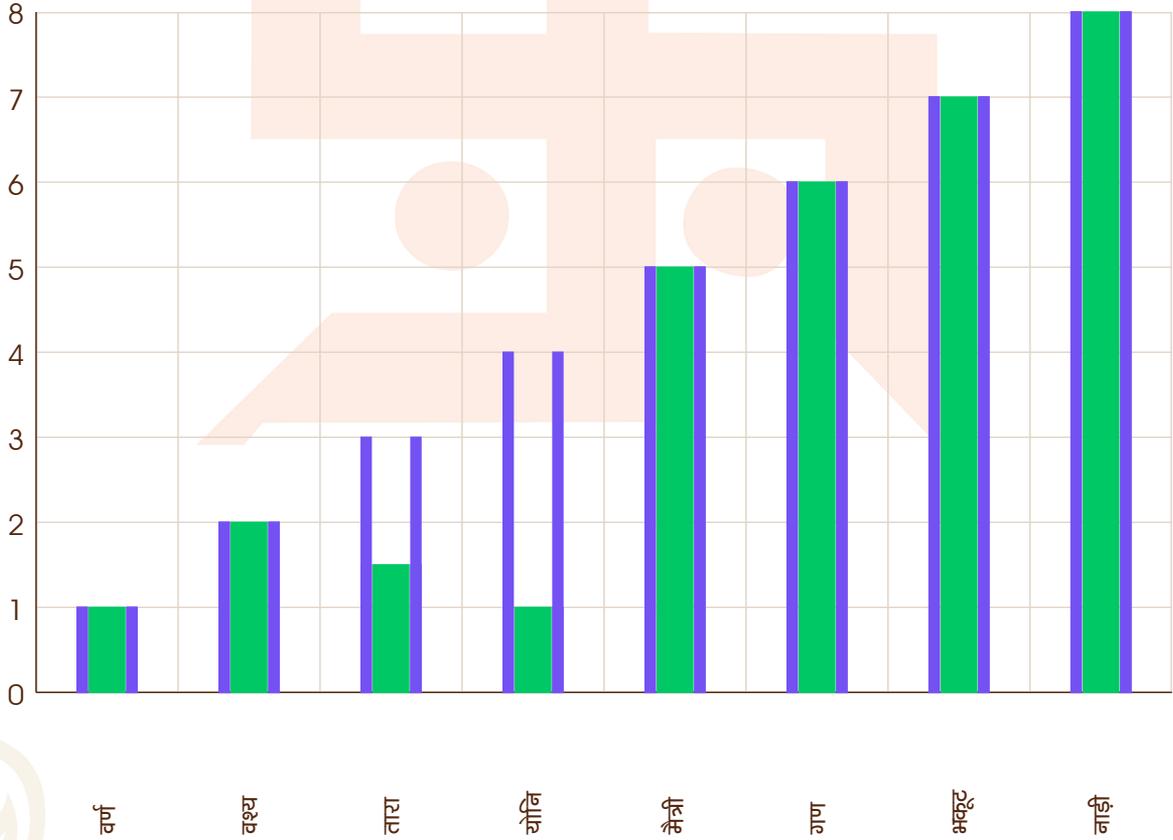
23:47:35 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:01



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>31.50</b>		

कुल : 31.5 / 36



## अष्टकूट मिलान

Kph का वर्ग मार्जार है तथा Knnu का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।  
अष्टकूट मिलान के अनुसार Kph और Knnu का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

Kph मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।  
Knnu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Kph की कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Kph तथा Knnu में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

Kph का वर्ण शूद्र है तथा Knnu का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

### वश्य

Kph का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Knnu का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Kph एवं Knnu दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

### तारा

Kph की तारा विपत तथा Knnu की तारा मित्र है। Kph की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Kph एवं Kph के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Knnu हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Knnu को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

### योनि

Kph की योनि मार्जार है तथा Knnu की योनि सर्प है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव

ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Kph एवं Knnu दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Kph एवं Knnu दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

### गण

Kph का गण देव तथा Knnu का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

### भकूट

Kph एवं Knnu दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Kph एवं Knnu तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

### नाड़ी

Kph की नाड़ी आद्य है तथा Knnu की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Kph और Knnu की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है। अतः Kph और Knnu के मध्य स्वाभाविक, मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर पूर्ण समानता रहेगी तथा एक दूसरे को पूर्ण स्नेह एवं सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे फलतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार यह मिलान अतिउत्तम रहेगा।

Kph और Knnu दोनों की राशियों का स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से वार्तालाप में दोनों अत्यधिक चतुर होंगे तथा अपनी बाक्पटुता से एक दूसरे को प्रभावित करेंगे। वे जीवन में समान सिद्धांतों एवं मूल्यों का अनुपालन करते हुए अपना समय व्यतीत करेंगे।

Kph और Knnu राशि परस्पर प्रथम प्रथम भाव में पड़ती है जो एक शुभ भकूट है। इसके प्रभाव से इनमें परस्पर स्नेह, सहयोग एवं समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व का सम्मान करते हुए अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करके उनमें सफलता अर्जित करेंगे। वे सच्चे मित्रों की भांति एक दूसरे के दोषों की उपेक्षा करते हुए शांति एवं प्रसन्नता बनाए रखेंगे तथा एक दूसरे की सुख सुविधाओं का भी पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी।

Kph और Knnu का वश्य मानव है। अतः Kph और Knnu की अभिरूचियों में पूर्ण समानता रहेगी तथा शारीरिक एवं मानसिक आवश्यकताएं भी बराबर रहेंगी। साथ ही एक दूसरे की काम भावनाओं को समझने तथा शांति एवं सन्तुष्टि प्रदान करने में भी सफल होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन का सुख एवं आनंद चरमोत्कर्ष सीमा पर रहेगा।

Kph और Knnu का वर्ण शूद्र है। अतः कार्यक्षेत्र में दोनों गम्भीर एवं कर्तव्यपरायण रहेंगे तथा कार्य क्षमताएं भी समान होंगी फलतः कार्य क्षेत्र एवं आर्थिक स्थिति सर्वदा सुदृढ़ रहेगी।

## धन

Kph और Knnu दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

## स्वास्थ्य

Kph का जन्म आद्य तथा Knnu का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव Kph के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबन्धी परेशानियां भी हो सकती हैं। साथ ही धातु या काम क्रिया संबन्धी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Kph को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

## संतान

संतति के दृष्टि से Kph एवं Knnu का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि Knnu का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति Knnu के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः Knnu को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे Knnu सामान्य रूप से सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। Kph और Knnu बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Kph और Knnu का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Knnu के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Knnu के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Knnu अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Knnu के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

### ससुराल-श्री

Kph तथा उनकी सास के आपसी संबंधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Kph के संबंध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Kph को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Kph के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Kph के प्रति अनुकूल ही रहेगा।